□□□□ □□□□□

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्□□स्थ्□ □□□□□□ वि□□□

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न □ख्□□ 4347

13 दि□□म्□□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न** □□ □त्□□

भारतीय चिकित्या अनुसंधा□ □ि□□□

4347. **श्री वि□द्□□ □□□ □□□□□**

श्री □□□□ □प□□□

श्री प्र□□□□□□ □□□□:

श्री गजानन कीर्तिकरः

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिकः

क□□ **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** □त्री □□ बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या भारतीय चिकित्सा अनुसंधन परिषद् (आईसीएमआर) ने पुरुषों म इंजेक्शन के माध्यम □□ि□□ □□□□वाले दुनिया के पहले गर्भनिरोधक के परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है;

(□) □दि □□, □□ □त्□□□□ ब्यौरा क्या है और उक्त गर्भनि□□□□ को विशेषताएं क्या ह;

(□) क□□ □□□□□□□□□□ □□ि□□ □□ि□□□ अधिकारियों से आवश्यक विनियामक अनुमोदन □□ लि□□ □□□ □□□□ □दि □□, □□ □त्□□□□ ब□□□ क□□ □;

(घ) क्या उक्त पुरुष गर्भनिरोधक □□□□□ दुष्प्रभाव भी ह और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क□□ □;

(ङ) उक्त गर्भनिरोधक □□□□□□□ □ □□ □□ □□□□ब□ □□□□□ □□□□□□ □; □ □

(□) □□□□र द्वारा इस नई तकनीक के सम्बन्ध □ □□□□ □□ प्र□□□ □□□□□□ □ □ □□□□ □ जागरूकता पैदा करने के लिए क्या कदम उठाए □□ □?

□त्□□

स्□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □□ज□ मंत्री (श्री □□श्□□□ □□□□□ □□□)

(□) □□ (□): □□, □□□ मार्गदर्शन के तहत □□क□बल पुरुष गर्भनिरोधक शुक्राणु का प्रतिवर्ती निषेध (□□□□□□□□□) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस गर्भनिरोधक का मुख्य वि□□□□□□□ निम्नलिखित ह:

- □□ □□-हार्मोनीय है तथा इसम एक बारगी इंजेक्शन प्रक्रिया शामिल है जो अंततः पुरुषों म □□स्□मिया □□ □□□□ □□

Ė □□ □□□ □□□□ □क्र□□□□□□□ □□ स□□□□ रूप से किया जाता है तथा इसका शरार के अन्य हिस्□ं □□ □□□ प्र□□□ □□□□□□□□ □□ □□: □□ □□ □□□□□□ □□क□बल गर्भनिरोधकों से भिन्न □□ जो प्रजनक प्रणालो के साथ-□□ □स□त: मानव प्रणालो के सभी दूसरे हिस्सां को भी प्रभावित □□□□□□

Ė □□ □□ न्□□□□ □□□कारक प्रक्रिया है।

Ė □□□ □□ □□क□□ □□क्ष□कृत लंबी अवधि के लिए गर्भनिरोध □□□ब□ □□□□ □□

Ė यह विधि प्रतिवर्ता विधि है जिसे स्तनपायी जीवां पर पशु प्रयोग के माध्यम से सिद्ध किया गया □□

Ė □□□ □□□□ □□□ □ □आईएसयूजी का मानव शरार पर कोई प्रतिकूल प्रभाव □□□□□□□□

Ė □□स□□□□ प्राप्त करने के मामले म आरआईएसयूजी का गर्भनिरोधक क्षमता 97.3 प्रति□□ तथा गभधारण करने के मामले म 99.2 प्रति□□ □□

(□) □□□□ □□□□□ □□ □□□ □□□□ □□ □□□□□□त्र□ औषधि (डीसीजीआई)से आवश्य□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ □□□ □□

(□): आरआईएसयूजी का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहां पड़ने के बारे म जानकारा दा गई है। फिर भी, कुछ मामलां म हल्का स्क्रो□□ स्□लिंग और स्क्रोटल पैन होता देखा गया है जो स्क्रो□□ □□□□□□□ □□□□/□□ □ष□□□ □□□□□□ □□□ष□ □□ □□□□ □□

(□.): □□□□□□□ □ □□□□□□□□□ प्र□ष□ □□□□□□□□श□□□ □□ □□निरोधक के बाजार म उपलब्ध □□□□□ □□□□□□ □□

(□): □□निरोधक के विकल्पां म पुरुष भागीदारा □□□□□□□□□ □□□ व□वहार परिवतनां, □□□□ संप्रेषण पैकेज कायकलाप का अध्ययन करने के लिए अनुसंधान/कायक्रम प्रारंभ किया जाएगा।